

DNA

16 Friday
November
2018

ATA Carnet spurs international trade

DNA Correspondent

correspondent@dnaindia.net

Jaipur: According to the Indian Customs, the 4 pillars of Global Trade are – Goods, Services, Money and People. ATA Carnet plays a pivotal role in hassle-free temporary imports thereby, facilitating and promoting international trade.

This was stated by Special Secretary & Member (Customs), CBIC Government of India, Mr. Pranab Kumar Das

while delivering a keynote address at the inaugural ceremony of the World ATA Carnet Council Meeting in Jaipur on Thursday.

He further said that the initiatives of the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) have resulted in paperless export and import clearances as well as digital customs as a result of which, India has jumped 66 places in trading across borders and 23 places in Ease of Doing Business.

विश्व एटीए कार्नेट परिषद का दूसरा वैश्विक सम्मेलन भारत में हुआ, बिजनेस को मिलेंगे फायदे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने में मदद करता है एटीए कार्नेट

स्थिर रिपोर्टर ■ जयपुर

सीबीआईसी की पेपलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लरेनेस और डिजिटल कस्टम्स की पहल से फायदा मिला है। इससे भारत ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में सहायता हुई और 23 स्थान की छलांग लगाकर ग्राथ दर्शायी है। वर्तमान में 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट से कई फायदे मिल रहे हैं। ये बातें भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास ने कही। मौका था गुरुवार को होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का। शहर में ये मीटिंग डब्ल्यूएटीएसी, पेरिस और फिल्म की



ओर से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से आयोजित हुई।

कार्नेट का उपयोग मीडिया व फिल्म थूटिंग में भी

प्रणब कुमार दास ने बताया, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट प्रेरणानी मुक्त अस्थायी आवाज में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अलग-अलग अलग देशों में बिजनेस के लिए एटीए कार्नेट के दस्तावेज और शुल्क भुगतान से मुक्त मिल गई है। साथ ही ट्रांजेक्शन टाइम जैसे कई फायदे हैं। भारत सरकार के सीबीआईसी के डीजीएआएम के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक, संदीप कुमार कहते हैं, पिछले कुछ सालों में कार्नेट में इनोवेशन हुए हैं। जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना, प्रेस-

टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेरेनल इकिवपर्मेट जैसे सेटर्स में कार्नेट का उपयोग होने लगा है। राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव सवरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में काफी बढ़ोत्तरी हुई है।

व्या है एटीए कार्नेट

एटीए कार्नेट अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत कस्टम दस्तावेज है, भारत के निर्यातिक समुदाय इसे उपयोग में लेता है। इसका उपयोग अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में, प्रदर्शनियों और बिजनेस प्रमोशन दूर में सैम्पल ले जाने के लिए किया जाता है।

एटीए कार्नेट की आयात में अहम भूमिका

जयपुर. वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के विशेष सचिव प्रणव कुमार दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में

अहम भूमिका निभाता है। सम्मेलन केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क, राजस्व विभाग के तहत डब्ल्यूएटीएसए पेरिस और फिक्की की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 44 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर फिक्की के डिप्टी डायरेक्टर निरंकार सक्सेना भी मौजूद थे।

शहर में शुरू हुई वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउसिल मीटिंग में वक्ताओं ने रखे विचार

दूसरे देशों में आसान बिजनेस में सहायक एटीए कार्नेट

पत्रिका **PLUS** रिपोर्टर

जयपुर ◆ देश के व्यापार को बढ़ावा देने और उसे सुरक्षित बनाने के लिए एटीए कार्नेट जैसी पॉलिसीज को होना जरूरी है। वैशिवक व्यापार को प्रोत्साहन देने में पॉलिसीज सबसे महत्वपूर्ण होती है। व्यापारी आसानी से दूसरे देश में व्यापार कर सकें और उन्हें किसी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए ही एटीए कार्नेट को बनाया गया है। गुरुवार को भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य : सीमा शुल्क (सीबीआईसीए) प्रणब कुमार दास ने इसी तरह अपनी बात रखी। होटल जयमहल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउसिल मीटिंग के इंोग्रल सेशन के दौरान उन्होंने कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट क्लरेनेस और डिजिटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से



मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और टान्जैक्शन टाइम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं। डब्लूएटीएसीए पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से हुए इस कार्यक्रम में कई देशों के एक्सपर्ट्स ने आर्थिक नीतियों पर अपनी राय रखी।

हो रहे हैं इनोवेशन

भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट

में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसीयों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना, शूटिंग प्रोफेशनल इविवपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना आदि शामिल है। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी इंडस्ट्रीज एवं रीकोलिमिटेड के सीएमडीए राजीव स्वरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है।

जयपुर, शुक्रवार

16 नवंबर 2018

एटीए कार्नेट की आयात में महत्वपूर्ण भूमिका

डब्ल्यूएटीएसी का दूसरा वैश्विक सम्मेलन



डेली न्यूज़, जयपुर। बल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड, भारत सरकार के विशेष सचिव प्रणव कुमार दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह सम्मेलन केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क, राजस्व विभाग वित्त मंत्रालय के तहत डब्ल्यूएटीएसए पेरिस और फेडेरेशन चैम्बर्स ऑफ कॉर्मर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में 44 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) भारत सरकार के प्रमुख अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार एवं राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडीए राजीव स्वरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। फिक्की के डिप्टी डायरेक्टर निरंकार सक्सेना ने कहा कि एटीए कार्नेट इज ऑफ डुइंग बिजनेस को बूस्ट करता है। आज इसके माध्यम से देश के मीडियम, स्माल और माइक्रो बिजनेस का वैश्विक विस्तार करने में और सरलता प्रिलगी।

CITY ■ event

जयपुर में हुई वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग

वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण माध्यम है एटीए कार्नेट'

डेली न्यूज़, mix रिपोर्टर

जयपुर। डब्ल्यूटीएसी, पेरिस और फैडरेन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवन्यू के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से जय महल पैलेस में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग के दौरान फिक्की के डिएटी सेक्रेटरी जनरल, निरंकर सर्करेना ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार आगामी कुछ वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। एटीए कार्नेट को भारत सरकार द्वारा 'ईंज ड्झैंग बिजनेस' की सेवाओं में से एक के रूप में स्वीकार किया



मध्यम वर्ग के उद्यमों के स्कोप में हुआ विस्तार

कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के विशेष सचिव एवं लक्ष्य सीमा शुल्क, सीबीआईसी, प्रणब कुमार द्वारा का कहना है कि भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आवाह सत्रम हैं - वस्त्रूप, सेवाएं, दाना एवं लेगा। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधापूर्ण बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेलांडी युनिट अस्थायी अधिकारी ने महत्वपूर्ण शक्तिका लिखाना है। आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष रूपेडी बोलीजेर ने कहा कि किंतु सात वर्षों में भारत में दूसरी बार वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल की बैठक आयोजित की जा रही है।

Jaipur | Friday
16.11.2018

वैश्विक व्यापार बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है एटीए कार्नेट : प्रणब कुमार दास

By Nav Xpress

भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार समझ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतरराष्ट्रीय व्यापार का सुविधाजनक बनाने पर्यंत इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट प्रणाली मुक्त अस्थायी आवास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सांचेव एवं सेक्युरिटी (सीमा शुल्क), सीबीआईसी प्रणब कुमार दास का। उन्होंने गृहवार को जयपुर स्थित प्रक निजी होटल में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में यह बात की। वह मीटिंग डल्पूटीएसी, पेरिस और फेडरेशन ऑफ इडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्सी) द्वारा भारत सरकार के वित मन्त्रालय के डिपार्मेंट ऑफ रेवेन्यु के सैटल गोड ऑफ इन डायरेक्ट टेक्सेज एंड कर्स्टम (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेरलेस एस्सोसिएट एवं इम्पार्ट क्लरेनस और



डिजीटल कर्स्टम जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छतांग लाई है। भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्ट जनरल ऑफ एपीलिटिक्स एंड सिरिक्स मैनेजमेंट (डीएपीएसीएम) के मुख्य अधिरिक महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं। राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्री एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी राजीव स्वरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय ऐन-फौक्चरिंग में कई गुण वृद्धि हुई हैं और राज्य में व्यापार करने के रेलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में

कुल बढ़ावारी का 9 प्रतिशत है। वर्ष 2015-2016 में राजस्थान में वस्तुओं एवं सेवाओं का नियांत 36,000 करोड़ रुपयों से बढ़कर वर्ष 2017-2018 में 46,500 करोड़ रुपयों हो गया है। आईसीआई, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष हाई बोलीजर ने भी अपने विद्यालयकाल किए। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में फिक्सी के डिएटी सेक्रेटरी जनरल नियंत्रक सक्सेना ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार आगामी कुछ वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से एटीए का प्रचार करने और सरकारी माध्यमों का उपयोग करके इसके प्रति जागरूकता लाने का आग्रह किया। इस अवसर पर कांफी टेल बुक - 'इंज ऑफ इंडिग बिजनेस: एटीए एंड गूगल टीआईआर कार्नेट' का विमोचन भी किया गया। फिक्सी राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चेयर रणधीर विक्रम सिंह ने धन्यवाद जापित किया।

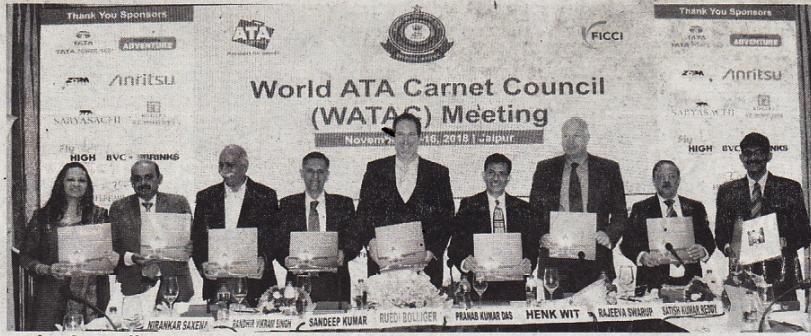
16 नवम्बर, 2018, शुक्रवार

सीमा पार कारोबार में 66 पायदान की छलांग

पंजाब केसरी/जयपुर

भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, से वाएं, धन और लोग। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह कहना है भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे गुरुवार को यहां आयोजित वल्ड एटीए कार्नेट कार्डिंग मीटिंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह मीटिंग डब्ल्यूएटीएसी, पेरिस और फैंडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट ट्रेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से कर रहा है। उन्होंने बताया कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट ब्लैरे ने स और डिजीटल



वल्ड एटीए कार्नेट कार्डिंग मीटिंग में उपस्थित अधिथित।

कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक सदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रमेंट्स का बैंकअप करना, प्रेस, टीवी एवं

मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इवेंट्स में जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना शामिल है।

राज्य से नियात 46 हजार करोड़ के पार

राज्य के एडिशनल चीफ सेकेट्री (इडस्ट्रीज) एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव स्वरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्यूफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में कुल बढ़ोतारी का 9 प्रतिशत है। देश में राजस्थान में ही सबसे पहले वर्ष-2011 में सिंगल विडो क्लीयरेंस सिस्टम लागू किया गया था। वर्ष 2015-2016 में राजस्थान में वस्तुओं और सेवाओं का नियात 36 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2017-2018 में 46 हजार 500 करोड़ रुपए हो गया है।

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग की हुई शुरुआत

एटीए कार्नेट 'वैश्विक व्यापार बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम': प्रणब कुमार दास

जयपुर। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थाई आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का वे गुरुत्वार को जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्ल्यूएसीसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉर्पस एंड इंडस्ट्री (फिक्टी) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ एनडायरेक्ट टेक्सेज एंड करस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनलिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक, संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पौलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का वैकअप करना।

पेरेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनां, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इवेंट्स में विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना, आदि शामिल है। इससे अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय व्यापारिक समुदाय बेहद लाभान्वित हुआ है। राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं सेको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव स्वरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्यूफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में कुल बढ़ोतारी का 9 प्रतिशत है।

आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष, रुडी बोलीजेर ने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि गत सात वर्षों में भारत में दूसरी बार वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल की



बैठक आयोजित की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में कार्नेट को छोटे एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमों के लिए अधिक सुलभ बनाने के साथ-साथ इसके 'स्कोप ऑफ एप्लीकेशन' में भी विस्तार हुआ है।

आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के डिप्टी चेयर, हेंक विट ने कहा कि एटीए कार्नेट को संयुक्त राष्ट्र के तहत वर्तमान 78 देशों से बढ़ाकर 128 देशों तक किया जाना चाहिए।

एशियन डिप्लोमेंट बैंक, नई दिल्ली के सलाहकार, सीतीश कुमार रेड्डी ने कहा कि एटीए कार्नेट अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरी करता है। वस्तुओं को प्रदर्शित करना व्यापार एवं वाणिज्य के शुरुआती बिंदु होते हैं। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में फिक्टी के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल, निरंकार सक्सेना ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार आगामी

कुछ वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। एटीए कार्नेट को भारत सरकार द्वारा 'ईंज ऑफ डूई बिजनेस' की सेवाओं में से एक के रूप में स्वीकार किया गया है। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से एटीए का प्रचार करने और सरकारी माध्यमों का उपयोग करके इसके प्रति जागरूकता लाने का आग्रह किया। फिक्टी की उपलब्धियों को बताते हुए उन्होंने कहा कि देश भर में मध्यम और लघु कंपनियों तक कार्नेट की अधिकतम पहुंच बनाने में फिक्टी की सक्षम रहा है। इस अवसर पर कॉफी टेबल बुक-ईंज ऑफ डूई बिजनेस: एटीए एंड यूएन टीआईआर कार्नेट का विमोचन भी किया गया। फिक्टी राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चेयर, रणधीर विक्रम सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जयपुर महानगर टाइम्स

जयपुर, 16 नवम्बर, 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

महानगर संवाददाता

जयपुर। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था

द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजिटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार



भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)

व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

जयपुर शुक्रवार 16 नवम्बर, 2018

‘ग्लोबल स्तर पर बिजनेस प्रमोट करने का प्रमुख माध्यम है एटीए कार्नेट’

■ वर्ल्ड एटीए कार्नेट कार्डिसिल मीटिंग में बोले विशेषज्ञ

जयपुर। एटीए कार्नेट एक इंटरनेशनल यूनिफार्म कस्टम्स डॉक्यूमेंट हैं, जो विदेशी भूमि पर टेम्पररी इम्पोर्ट के लिए बिना किसी ड्यूटी तथा बैंक गारंटी के कस्टम्स प्रोसीजर्स एवं क्लीयरेंस को सुगम बनाता है। एटीए कारनेट का उपयोग भारत के निर्यातक अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और बिजनेस प्रमोशन दूर में सैम्प्ल ले जाने के लिए करते हैं। साथ ही फिल्म कू, आर्किटेक्चर, कलाकारों, इंजीनियर्स, एंटरटेनर्स, फोटोग्राफर्स, स्पॉर्ट्स टीम आदि ट्रेवलिंग प्रोफेशनल्स को भी उपलब्ध है। इससे बिजनेस मैटेरियल्स, समय, धन की बचत के साथ विदेश यात्रा करने के साथ ही ग्लोबल स्तर पर बिजनेस प्रमोट करने का प्रमुख माध्यम है एटीए कार्नेट। यह जानकारी वर्ल्ड एटीए कारनेट (डब्ल्यूएटीएसी), पेरिस और फैंडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय वर्ल्ड एटीए कार्नेट कार्डिसिल (डब्ल्यूएटीएसी) वर्कशॉप के शुभारंभ पर होटल जय महल पैलेस में अतिथियों ने दी।

मंचासीन अतिथियों में फिक्की के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल निरंकार सक्सैना, फिक्की के को-चेयर रणधीर विक्रम सिंह, सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के स्पेशल सेक्रेटरी, मैम्बर कस्टम्स प्रणव कुमार, दास, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं सीएमडी रीको लिमिटेड राजीव स्वरूप, सीबीआईसी के डायरेक्टर जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट के प्रिसिपल एडिशनल डायरेक्टर जनरल संदीप कुमार, एशियन डबलपर्मेंट बैंक नई दिल्ली के सलाहकार सतीश कुमार, डब्ल्यूएटीएसी, आईसीसी, पेरिस के चेयर एवं अलायन्स डेस चैम्बर्स डे कॉमर्स सुइसेज, स्टिटजरलैंड के एग्जीक्युटिव डायरेक्टर रुएडी बोलीजेर, डब्ल्यूएटीएसी, आईसीसी, पेरिस के डिप्टी चेयर, नीदरलैंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के एटीए कारनेट मैनेजर हेंक



विट ने विचार रखें वक्ताओं ने कहा कि वर्ल्ड कस्टम्स आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएटीओ) के इंटरनेशनल कस्टम्स कन्फेशन्स में एटीए कारनेट सिस्टम को संचालित किया गया है। वर्ल्ड एटीए कारनेट कार्डिसिल डब्ल्यूओआई के साथ मिलकर इस सिस्टम को प्रबंधन करती है। कार्डिसिल में वे सभी 78 देश शामिल हैं, जहाँ कार्नेट जारी और स्वीकार किए जाते हैं। एटीए कार्नेट की देश में दूसरी व राजस्थान में पहली मीटिंग हुई। मीटिंग में 44 देशों के प्रतिनाधि मौजूद रहे। दूसरे दिन शुक्रवार को एसएमएस कन्वेशन सेंटर में इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा।

- कार्यालय संवाददाता

जागरुक टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार, 16 नवम्बर, 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ



जयपुर। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी पुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल

पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्ल्यूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉर्मस एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के

सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इपोर्ट क्लरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के

दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ है।

भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पोलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना; प्रेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना, आदि शामिल है। इससे अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय व्यापारिक समुदाय बेहद लाभान्वित हुआ है।

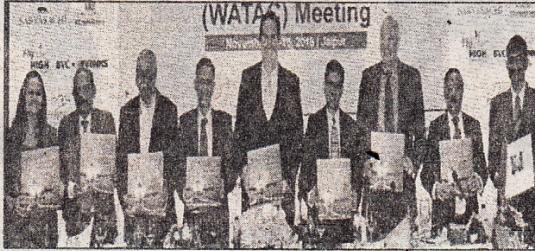
जलतेदीप

जयपुर, शुक्रवार 16 नवम्बर 2018

वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउसिल मीटिंग का शुभारम्भ

■ जलतेदीप संवाददाता, जयपुर

भारतीय सीमा शुल्क के अनुशार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट प्रेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए



कार्नेट काउसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्ल्यूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि

सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैट्रल वोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि

सीबीआईसी की पेपरसेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लरेनस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से सुविधा, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाइम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

जयपुर, शुक्रवार 16 नवम्बर 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान की छलांग लगाई है : दास



कंचन केसरी

जयपुर/कासं। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैशिक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट प्रेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे। यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

(फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाइम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

सीमा पार व्यापार

भारत ने व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की लगाई छलांग

वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

जयपुर। भारतीय सोमा शुक्र के अनुसार वैश्वी व्यापार के द्वारा समाज में है - बहुत, तेहांडा, इन एवं लोगों, अतार्थियों व्यापार का विवरण दिया गया। उन्नासीक बाणों और उन्ने बदलाव देने के लिए एवं करने के लिए अस्थायी आजात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह करना या भारत सरकार के विशेष विभागों द्वारा सदय (सोमा शुक्र), सोमी आईमों प्रणाली के द्वारा कराया जाता है। जो उन्नासी लहर तज मल पैसंस में आजातिकार्यकाल वर्ल्ड एंटरप्रार्ट कार्पोरेशन में भूमिका देते हैं थे।



के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण
दे रहे थे।
यह मीटिंग डब्ल्यूएटीएसी, पेरिस
और फैक्टोरी अफ इंडियन चैम्बर्स
आप कार्मसं एंड इंडस्ट्री (फिनिश)
द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय
के डिपार्टमेंट आप रेवेन्यू के सैन्य-
बोर्ड औप इन्डियायरेक्ट टैक्सेज एवं

दे रहे थे।
 - यह मीटिंग डब्लूएसी, पेरिस
 और फैडेशन ऑफ इंडियन चैर्चसेमी
 ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्वी)
 द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय
 के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू के सैन्ट्रल
 बोर्ड ऑफ इन्डियरबट टेक्सेज एंड

कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की प्रतिलेस एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट करोनेस और डिजिटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के साथ लगातार की तरफ की ओर बढ़ रही है।

दर्शन में 23 योगी के लक्षण तथा विवरण हैं। वरामानन् दि विवरण सहित रस एवं रसायन में यानतां प्राप्त एटीए कर्नेट अंक लाइन हैं। योगीं सीमा के दरवाजों की छाँकण एवं सुख-सुखान से खुश, मात्र निकलों के मध्य एवं और दार्शनवाला दर्शन लाभ लाने की आपात महत्वपूर्ण लक्षण हैं।

उत्तराखण्ड का राजकीय नियन्त्रण के लिए सेकेटरी, इंडिपेंडेंट वर्ष एवं एसीएली लिपिंगमें से संपर्क हो। गजबू वर्षपूर्ण ने कहा कि गजबू नाम में स्थानान्वयन-मुद्राकृतियों में कई नया बदल हुआ है। और उसने में व्यापक करने के लिए गुरुत्वादी प्रयत्नमें में कामों तरीं से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अधिकारियां सभा में उद्घाटन की 27 प्रश्नाओं पर ध्यान दे रही हैं, जो गत 5 वर्षों में कुल बहुमतीय का 9 प्रतिशत है। व्यवस्थाय करने की आसानी के सर्वर्थ एंट्री-कार्ड कार्डिनेल के अधीन सहायता देते हुए कि गत वर्ष भारत में दसवीं चाल बढ़ चुकी है। कार्डिनेल को बैठक आयोजित करने का जा रही है। उत्तराखण्ड आगे किया भारत में कामों को छोड़ एवं अधिकारियों के उद्घाटन के लिए अधिकारियों समूह बनाने के साथ-साथ इकेवन एफ-एलीकॉम्बन' में भी विसर्त हुआ है।

वरस का वल्ड
प्रैसल के अध्यक्ष
ने कहा कि यहाँ
गत सात वर्षों में
बार वर्ल्ड एटीए
ने बैंक आयोजित
होने आगे कहा कि
वो छोटे एवं मध्यम
के लिए अधिक
साथ-साथ इसके
लीकेशन' में भी